आप किस तरफ हो

आप किस तरफ हो

बिन क्षमा के
दंड के नीचे
आशाहीन

नर्क

परमेश्वर

क्षमा पाना
स्वीकृति पाना
नया जीवन पाना

स्वर्ग

कीमत

इशु ने हमें उसके पीछे चलने कि कीमत कि चेतावनी पहिले से दी है| ".. जब तक कीमत न पता करलो तब तक शुरू न करना.." (लुका १४.२८)| उसने ये साफ़ कर दिया है कि हमें अपना जीवन उसपर समर्पर करना होगा और दुःख, तकलीफ और कठिन समय का सामना करना पड़ेगा जैसे इशु ने किया है| फिर भी, एक मसिह होने पर परमेश्वर का पवित्र आत्मा हमारे अन्दर बस जाता है जो हमें पढाता, सिखाता, प्रोत्साहित करता, मार्गदर्शन करता, सामर्थ देता और हमारे असफलताओं में मदद करता है| उसपर जीवन समर्पण करने पर वह हमें नया लालसा देगा और खुद को बदलने कि शक्ति भी देगा...जब तक हम जिंदा रहेंगे|

अगर आप इस कीमत के लिए तैयार हैं, मसीह इशु का सेवक बनना चाहते हैं और उसकी वरदानो को हासिल करना चाहते हैं तो निचे लिखी हवी प्रार्थना को दिल से करो...

प्रिय परमेश्वर

मैं कबूल करता हूँ की मैं ने बार बार आप के विरुद्ध पाप किया है और इस के लिए मैं बहुत बहुत शरमिन्दा हूँ| मैं अभी हर एक उन चीजों से मुड़ता हूँ जो आपको दुखी करता है और दिल से आप से क्षमा चाहता हूँ| मैं धन्येवाद देता हूँ की आप ने अपने बेटे प्रभु इशु को भेजा की मेरे हर एक पाप का दंड (गुज़रे हुवे, वर्तमान, आगामी) खुद के ऊपर सह ले| अपने पवित्र आत्मा के द्वारा मेरे अन्दर बस जा और मुझे वो इंसान बना दे जो आप को प्रसन्न है, आमीन|

मसीह जीवन में आगे बढ़ने के लिए दैनिक पवित्र बाइबल पढो, उसे को पालन करो, पवित्र बाइबल पर चलने वाली चर्च में दाखिल हो, बप्तिस्मा ले लो और लोगों को इस के बापे में बताओ|| प्रभु से खूब बाते कर, वो हर एक प्रार्थना को सुनता और जवाब देता है.

ज्यादा जानने के लिए यहाँ पर जाये...

www.questionsoflife.com सम्पर्क:

info@gospel-outreach.org © 2017

एक ज़रूरी इम्तिहान

एक ज़रूरी इम्तिहानू

अगर इन सवालों का जवाब "हाँ" है तो तो सही का चिन्ह लगाइए

1. क्या आप ने कभी झूट बोला है? ☐
2. क्या आप ने कभी चोरी की है(कीमत चाहे जो भी हो)? ☐
3. क्या अप्प ने कभी अपने माता पिता के आज्ञाओं के तोड़ा है? ☐
4. क्या आपने कभी किसी से नफ्तर किया है? ☐
5. क्या आपने कभी इशु मसीह के नाम पर गाली दी है? ☐

ये पांच सवाल परमेश्वर के दस अग्ग्याओं में से पांच अग्ज्ञाये हैं. पवित्र बाइबल कहता हैं कि परमेश्वर के नियमो को तोड़ना पाप है.

एक समस्या है

हम सब

"... पाप का मजदूरी मृत्यू है " रोमियो ६:२३

⬇

नर्क

परमेश्वर

सृष्टिकर्त्ता
बादशाह
शासक
उत्तम
पवित्र
पावन

समस्या का हल

यीशु मसीह

हम सब

"... पाप का मजदूरी मृत्यू है" रोमियो ६:२३

⬇

नर्क

परमेश्वर

"परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम कि भलाई इस रिति से प्रगट करता है कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिए मरा."

वरदान

पाप के मूढ़ जा और अपने जीवन को प्रभु इशु को दे दो

यीशु मसीह

"ऐसा भी मार्ग है जो मनुष्य को सीधा जान पड़ता है परन्तु उस के अंत में मृत्यु ही मिलती है." नीतिवचन १६:२५

⬇

नर्क

परमेश्वर

"परन्तु उस के अनुग्रह से उस छुटकारे के द्वारा जो मसीह इशु में है सेंत-मेंत धर्मी ठहराए जाते हैं." रोमियो ३.२४

⬇

स्वर्ग